



टेक्नोलॉजी में हैं रुचि तो डाटा एनालिटिक्स में बना सकते हैं करियर, घर बैठे ऑनलाइन कर सकते हैं कोर्स

आजकल के दौर में डाटा एनालिटिक्स विषय महत्वपूर्ण कोर्सज में से एक है। डाटा एनालिटिक्स कोर्स को ऑनलाइन भी किया जा सकता है। बता दें कि इस क्षेत्र में करियर संबंधी भी संभावनाएं भी काफी हैं। एक समय पर इन कोर्सों को करने के लिए स्टूडेंट्स को ऑफलाइन संस्थानों में जाना पड़ता था। लेकिन अब आप इन कोर्सज को घर बैठे ऑनलाइन भी कर सकते हैं। इसके अलावा आप इस कोर्स को टॉप संस्थानों से ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के जरिए भी पढ़ सकते हैं और वह एकदम फ्री में। ऑनलाइन कोर्स करने के लिए आपको किसी तरह की फीस नहीं देनी होती है। हालांकि जब आप इस कोर्स को कम्प्लीट कर लेते हैं तो सर्टिफिकेट प्राप्त करने के लिए आपको रुपए देने होते हैं। ऐसे में अगर आप भी डाटा एनालिटिक्स के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ फ्री कोर्स के बारे में जानकारी देने जा रहे हैं। जिनकी मदद से आप डाटा एनालिटिक्स में अपनी स्किल्स डेवलप कर सकते हैं।

अप्लाइड बायेंसियन फॉर एनालिटिक्स
संस्थान का नाम - आईआईएम बैंगलोर
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - 11,974 रुपये

डाटा फॉर बेटर लाइफ - न्यू सोशल कॉन्टेंट
संस्थान का नाम - वर्ल्ड बैंक ग्रुप



कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - 388 रुपये

डाटा फॉर बेटर लाइफ - न्यू सोशल कॉन्टेंट सेल्फ पेइड
संस्थान का नाम - वर्ल्ड बैंक ग्रुप
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - 388

इंट्रोडक्शन टू डाटा एनालिटिक्स फॉर मैनेजर
संस्थान का नाम - यूएम-एन आर्बर
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 6 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - 3,987 रुपये

हरिकेन ट्रेकिंग विद सेटेलाइट डाटा
संस्थान का नाम - फ्यूचरलर्न के माध्यम से
स्ट्रेथवलाइड विश्वविद्यालय ग्लासगो
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 5 सप्ताह

सर्टिफिकेट की फीस - 1,849 रुपये

डाटा एनालिटिक्स बेसिक फॉर एवरीवन
संस्थान का नाम - आईबीएम
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 5 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - 7,541 रुपये

फंडामेंटल ऑफ टाइनीएमएल
संस्थान का नाम - हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और कैम्ब्रिज



अगर आपको भी टेक्नोलॉजी से लगाव है और कोडिंग आदि में रुचि रखते हैं तो आप डाटा एनालिटिक्स को करियर के तौर पर चुन सकते हैं।

आने वाले समय में इस कोर्स को लेकर काफी डिमांड भी बढ़ी है। इसमें आप अपना करियर बनाकर अच्छी कमाई कर सकते हैं।

एनालिटिक्स फॉर डिजाइन मेकिंग
संस्थान का नाम - बाबसन कॉलेज, वेलेस्ले
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 4 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - 18,887 रुपये

एनाइल एनालिटिक्स
संस्थान का नाम - यूवीए चार्लेट्सविले
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 4 सप्ताह
डाटा एनालिटिक्स करियर गाइड एंड इंटरव्यू प्रिपरेशन

संस्थान का नाम - आईबीएम
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 4 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - उपलब्धता नहीं

गेटिंग स्टार्टड विद लेटर्स फॉर बिगनर्स ऑन एडब्ल्यूएस
संस्थान का नाम - अमेजन वेब सेवाएं
कोर्स की फीस - फ्री
कोर्स की अवधि - 1 सप्ताह
सर्टिफिकेट की फीस - 3,806 रुपये

डाटा समार्ट फॉर बीगनर्स
संस्थान का नाम - जिगसाव अकादमी
कोर्स की फीस - फ्री
सर्टिफिकेट की फीस - उपलब्धता नहीं है



फाइनल इंटरव्यू को भी गंभीरता से लें

कई बार ऐसा होता है कि रिटर्न एवजाम वलीयर करने के बाद किसी जॉब के लिए आपको चुन लिया जाता है और इंटरव्यू आपको कहता है कि अब आपको फाइनल इंटरव्यू के लिए आना है। जब भी कोई इंटरव्यू आपसे ये बात कहता है, इसे सुनते ही आपकी खुशी का ठिकाना नहीं रहता होगा, लेकिन फाइनल इंटरव्यू के लिए चुने जाने का ये मतलब नहीं है कि आपका सेलेक्शन पक्का हो गया है। हमेशा फाइनल इंटरव्यू को भी अपनी ही गंभीरता से लेना सीखें, जितना की इंटरव्यू के अन्य लेवल को लेते हैं। आज हम आपको बता रहे ऐसी तीन बातों के बारे में जो आपको फाइनल इंटरव्यू के दौरान या उससे पहले कभी नहीं करनी चाहिए

ड्रेसिंग सेंस

जब भी आप किसी इंटरव्यू के लिए जाएं, तो अपने ड्रेसिंग सेंस का विशेष रूप से ध्यान रखें। लोग अक्सर सोचते हैं कि फाइनल इंटरव्यू के लिए बुलाने का मतलब नौकरी पक्का होना होता है, लेकिन फाइनल इंटरव्यू के लिए बुलाए जाने पर ज्यादातर उम्मीदवार केजुअल बर्ताव करते हैं, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपका सेलेक्शन हो और आपको फाइनल इंटरव्यू में रिजैक्ट न किया जाए, तो इसके लिए कभी भी नियोक्ता से इस दौरान ज्यादा फंडली न हों और डेकोरम बनाए रखें।

दोस्तों से न करें उम्मीदवार फाइनल इंटरव्यू की बात सुनते ही पार्टी मोड में आ जाते हैं और बिना कोई समय गंवाए, अपने दोस्तों और करीबियों से अपने खुशी साझा करने लगते हैं। खुशी के पल दोस्तों के साथ साझा करना गलत बात नहीं है, लेकिन हमेशा कोशिश करनी चाहिए कि जब तक काम पूरा न हो जाए, बात अपने तक ही रखी जाए। नियोक्ता कई बार फाइनल इंटरव्यू में आपके सामने ऐसे सवाल रखते हैं, जिनका जवाब आपके पास नहीं होता है और अक्सर आपकी चौखट तक आने के बाद भी वापस लौट जाता है। इसलिए जब तक सेलेक्शन फाइनल न हो जाए पार्टी करने के बारे में न ही सोचें।

इंटरव्यू से न हों फंडली

हमेशा एक बात का ध्यान रखें कि जब भी आप इंटरव्यू देने जाएं इस दौरान अनुशासन में रहें। कोई भी इंटरव्यू आपको दोस्त नहीं होता है। अगर आप किसी इंटरव्यू को पहले से जानते भी हैं, तब भी इंटरव्यू के दौरान उसके साथ ज्यादा फंडली होने की कोशिश न करें। फाइनल इंटरव्यू के लिए बुलाए जाने पर ज्यादातर उम्मीदवार केजुअल बर्ताव करते हैं, लेकिन अगर आप चाहते हैं कि आपका सेलेक्शन हो और आपको फाइनल इंटरव्यू में रिजैक्ट न किया जाए, तो इसके लिए कभी भी नियोक्ता से इस दौरान ज्यादा फंडली न हों और डेकोरम बनाए रखें।

अगर आपके पास कम्प्यूनिकेशन, प्लानिंग, स्ट्रेटजी जैसे स्किल्स तो...

जब भी हम किसी जगह जॉब के लिए इंटरव्यू देने के लिए जाते हैं तो सबसे पहला सवाल यह होता है कि हमने किस विषय में डिग्री ली है। यह आम सी बात है कि अगर आपको किसी फील्ड में जॉब चाहिए, तो आपके पास डिग्री या फिर डिप्लोमा दोनों में से कुछ न कुछ होना चाहिए, लेकिन कुछ नौकरियां ऐसी भी हैं, जिनमें डिग्री की जरूरत नहीं पड़ती है। अगर आपके पास कम्प्यूनिकेशन, प्लानिंग, स्ट्रेटजी जैसे थोड़े से भी स्किल्स हैं तो बिना डिग्री के नौकरी मिल सकती है। आज हम आपको बता रहे हैं कुछ ऐसी जॉब्स के बारे में जिन्हें पाने के लिए आपको किसी डिग्री की जरूरत नहीं है।

सोशल मीडिया मैनेजर
सोशल मीडिया मैनेजर नए जमाने की क्रिएटिव जॉब है। एक सोशल मीडिया मैनेजर को टिवटर, फेसबुक और लिंक्डइन जैसी साइट्स पर अपनी कंपनी का स्टेटस अपडेट लिखना, प्रमोशन कंटेंट बनाना, सवालों के जवाब देना और कमेंट्स का रिप्लाई करना जैसे काम करने होते हैं। अगर आपके भी क्रिएटिव हैं और लिखना पसंद करते हैं, तो ये जॉब के लिए बेस्ट साबित होगी।

कस्टमर सपोर्ट
अगर किसी भी कंपनी को बाजार में अपना प्रोडक्ट चलाना है तो इसके लिए कस्टमर को संतुष्ट करना सबसे जरूरी है। कस्टमर सपोर्ट एक ऐसा ही प्रोफेशन है जो कस्टमर्स का पूरा ख्याल रखने के लिए ही बना है। अगर आपके पास अच्छे कम्प्यूनिकेशन

स्किल्स हैं तो आप इसमें अपना करियर बना सकते हैं।

जूनियर डेवलपर

अगर टेक्निकल फील्ड में बिना डिग्री के करियर बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए आप बतौर जूनियर डेवलपर जॉब कर सकते हैं। जूनियर डेवलपर्स उन वेबसाइट्स और एप्लीकेशंस के कोड बनाने में अहम योगदान अदा करते हैं, जिनका हम रोजाना इस्तेमाल करते हैं। एक जूनियर डेवलपर बनने के लिए आपको एचटीएमएल और सीएसएस, जावा स्क्रिप्ट, पीएचपी, रूबी और पाइथन जैसी प्रोग्रामिंग लैंग्वेज की समझ होनी चाहिए।

मोबाइल एप डिजाइनर

डिजाइनिंग का शौक रखने वाले लोग मोबाइल एप डिजाइनर के रूप में अपना करियर बना सकते हैं। इस नौकरी को पाने के लिए आपके पास डिजाइन प्रिंसिपल और पैटर्न्स की अच्छी समझ होनी चाहिए। साथ ही विजुअल कम्प्यूनिकेशन स्किल्स भी होने चाहिए।



नौकरी की तलाश में भटकते-भटकते परेशान हो चुके हैं? आज इस आर्टिकल से जरिए हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप कम निवेश में करके ज्यादा मुनाफा कमा सकते हैं।

करने की जगह पेपर से बनी इन चीजों का इस्तेमाल करना अधिक पसंद करते हैं। ऐसे में आप भी इस बिजनेस को आसानी से शुरू कर सकते हैं। इनको बनाने वाली मशीनें आपको 5 लाख से कम के निवेश में एक मशीन आसानी से मिल जाएंगी।

पेस्ट कंट्रोल बिजनेस

अधिकतर घरों में तिलचट्टे, उड़ने वाले कीड़े और अन्य कीड़े पाए जाते हैं। यही कीड़े फसलों और सब्जियों को नष्ट कर देते हैं। इसलिए कीड़ों से बचाव के लिए लोग पेस्ट कंट्रोल सेवाओं की खोज करते हैं। ऐसे में बहुत से लोग उपकरण और कीटनाशकों का उपाय खोजते हैं। जो इन कीड़ों और वृहों आदि के नुकसान से बचा सके। कीटों को खत्म करने के संसाधनों और रासायनिक स्प्रे में निवेश कर सकते हैं। इस दौरान रेस्तरां, पब, कॉर्पोरेट कार्यालय, फर्मस, होटल, हाउसिंग सोसाइटी और अन्य आपके उपभोक्ता हो सकते हैं। इस बिजनेस को भी आप 5 लाख के निवेश से शुरू कर सकते हैं।

फोटो स्टूडियो

सर्विसेज

फोटोग्राफी के स्टूडियो में पहले से काफी चेंज आया है। आजकल लोग शादी, बच्चों,



फिट रखने के लिए जिम और योगा भी करते हैं। इसलिए अब न केवल मेट्रो शहरों बल्कि छोटे-छोटे शहरों में भी जिम या फिटनेस सेंटर की लोकप्रियता बढ़ती जा रही है। आपको बता दें कि आप भी 5 लाख रुपए के निवेश से एक छोटा सा जिम शुरू कर सकते हैं। वहीं अधिक से अधिक लोगों के ज्वाइन करने पर आप इसका विस्तार भी कर सकते हैं।

डिस्पोजेबल पेपर प्लेट, कप, दोने बनाना

जैसा कि आप सभी जानते हैं कि शादियों, जन्मदिन समारोह और व्यावसायिक आयोजनों में लोगों द्वारा डिस्पोजेबल कप और प्लेट का इस्तेमाल किया जाता है। वहीं इन चीजों की ऑफिस आदि में भी जरूरत होती है। वहीं लोगों में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है। जिस कारण लोग प्लास्टिक प्लेट, कप, गिलास थूज



2 से 5 लाख रुपए के निवेश से शुरू करें ये बिजनेस हर महीने होगी मोटी कमाई

कई लोग नौकरी की तलाश में इधर-उधर भटकते हैं। इसके बाद भी उन्हें सफलता नहीं मिल पाती। ऐसे में परेशान होने के बजाय आप खुद का बिजनेस शुरू कर हर महीने अच्छी-खारी कमाई कर सकते हैं। बता दें कि बिजनेस की शुरूआत करने के लिए आपको ज्यादा पैसे की भी जरूरत नहीं होगी। इन बिजनेस को आप 2 से 5 लाख रुपए में शुरू कर सकते हैं। इन बिजनेस से आपकी अच्छी खासी कमाई भी हो जाएगी और आपकी नौकरी की तलाश भी खत्म हो जाएगी। आज इस आर्टिकल के माध्यम से हम आपको इन बिजनेस के बारे में बताने जा रहे हैं।

जिम या फिटनेस सेंटर

आज के दौर में हर व्यक्ति खुद को फिट और हेल्दी रखना चाहता है। वहीं बढ़ते पाल्युशन और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच लोग अपने स्वास्थ्य को लेकर अधिक जागरूक होते जा रहे हैं। वहीं कई लोग खुद को

यम्मी स्पाइसी होटल के बाहर मारपीट मामले में मुख्य आरोपी को हाईकोर्ट से झटका, अग्रिम जमानत याचिका खारिज

 **शहडोल | संवाददाता**
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत यम्मी स्पाइसी होटल के बाहर हुई मारपीट के मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर पीठ ने आरोपी नियाजुल्ला खान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी है। न्यायमूर्ति अमित लोहेटी की पीठ ने 7 अक्टूबर को पारित आदेश में आरोपों की गंभीरता और केस डायरी में उपलब्ध सामग्री को ध्यान में रखते हुए अग्रिम जमानत देने से इनकार कर दिया। मामले में तीन आरोपी पहले ही जेल जा चुके हैं।

प्रकरण में बताया गया है कि 26 जुलाई की रात करीब 10:30 बजे शिकायतकर्ता आकाश पाठक अपने दोस्त वतन सिंह और अमन सिंह के साथ यम्मी स्पाइसी होटल में खाना पैक कराने पहुंचा था। इसी दौरान नियाजुल्ला खान अन्य सह-आरोपियों के साथ वहां पहुंचा और विवाद शुरू हो गया। इसके बाद शिकायतकर्ता और उसके साथियों के साथ कथित तौर पर लात-घुंरो, डंडों और लोहे की रॉड से मारपीट की गई। घटना में आकाश पाठक को चोटें आईं। बीच-बचाव करने पहुंचे लोगों के साथ भी मारपीट किए जाने तथा शिकायतकर्ता के वाहन पर पथराव कर कांच तोड़ने के आरोप लगाए गए हैं।

गंभीर आरोपों के चलते अदालत ने राहत देने से किया इनकार



पुलिस पृच्छाछ की संभावना को माना अहम

हाईकोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि आरोपों की प्रकृति और घटना के कथित तरीके को देखते हुए आवेदक की भूमिका की उचित जांच आवश्यक है। इस स्तर पर पुलिस द्वारा पृच्छाछ की संभावना को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता। अदालत ने स्पष्ट किया कि सामान्य आरोप होने और जवाबी मामला दर्ज होने के आधार पर ही अग्रिम जमानत देना उचित नहीं है। इन्हें तथ्यों के आधार पर न्यायालय ने नियाजुल्ला खान की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी।

पक्षकारों की ओर से अधिवक्ता उपस्थित: आवेदक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष दत्त के साथ अधिवक्ता सिद्धार्थ कुमार शर्मा ने पैरवी की। आपत्तिका की ओर से अधिवक्ता आदित्य अवस्थी उपस्थित रहे, जबकि

इन धाराओं में दर्ज है मामला

घटना को लेकर सोहागपुर थाने में अपराध क्रमांक 300/2026 दर्ज किया गया। प्रकरण में भारतीय न्याय संहिता की धारा 191(2), 296(बी), 115(2) और 351(3) के तहत मामला दर्ज हुआ था। बाद में मेडिकल लीगल रिपोर्ट के आधार पर धारा 118(1) और 118(2) भी जोड़ी गई।

बचाव पक्ष ने रखे ये तर्क

अग्रिम जमानत आवेदन पर सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष ने नियाजुल्ला खान को निर्दोष बताते हुए झूठा फंसाए जाने का तर्क दिया। अधिवक्ता की ओर से कहा गया कि आरोप सामान्य प्रकृति के हैं, घटना को लेकर जवाबी मामला भी दर्ज है और आवेदक का कोई अपराधिक इतिहास नहीं है। वहीं, राज्य की ओर से जमानत का विरोध करते हुए अपराध की गंभीरता का हवाला दिया गया।

राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता नवीन ठाकुर ने पक्ष रखा।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड निर्माण का नियमित निगरानी के सीएमओ ने दिए निर्देश



नगर पालिका अध्यक्ष ने किया निरीक्षण, बाधक अतिक्रमण मौके पर हटवाया

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

शहर में इंदिरा चौक से न्यू बस स्टैंड तक निर्माणधीन डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रोड का रविवार को नगर पालिका अध्यक्ष घनश्याम दास जायसवाल ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी अमित तिवारी के साथ निरीक्षण किया। इस दौरान सड़क निर्माण की प्रगति का जायजा लेते हुए कार्य में आ रही बाधाओं को दूर करने के निर्देश दिए गए। निर्माण में बाधक अतिक्रमण को मौके पर ही हटवाया गया। नगर पालिका अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों और ठेकेदार को निर्देशित किया कि सड़क निर्माण में अनावश्यक देरी न हो और गुणवत्ता से कोई समझौता किए बिना काम को निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य में तेजी लाई जाए, ताकि आवागमन में हो रही परेशानियों से राहत मिल सके। सीएमओ अमित तिवारी ने अधिकारियों को निर्माण कार्य की नियमित निगरानी करने और सामने आने वाली समस्याओं का तत्काल निराकरण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान नगर पालिका के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

छूटे पात्र मतदाता अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य जुड़वाएं : कलेक्टर

 **शहडोल | संवाददाता**
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ जायसवाल ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में मतदाता सूची में छूटे हुए एवं नवीन पात्र मतदाताओं के नाम जोड़ने के लिए पूरे अक्टूबर माह विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के दौरान पात्र नागरिक ऑनलाइन माध्यम से अथवा अपने क्षेत्र के बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के माध्यम से मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने छूटे हुए पात्र मतदाताओं से अपील की है कि वे इस अभियान में सहभागिता निभाते हुए मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य दर्ज कराएं। उन्होंने कहा कि पात्र मतदाता निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन या बीएलओ



के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि जो युवा 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके हैं अथवा 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने जा रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाने के लिए आवेदन अवश्य करें, ताकि पात्रता के अनुसार उनका नाम मतदाता सूची में शामिल किया जा सके। मतदाता सूची में नाम दर्ज होना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए आवश्यक है। सभी पात्र नागरिक इस अभियान का लाभ उठाकर अपना नाम मतदाता सूची में अवश्य दर्ज कराएं।

मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत राशि की अंतरित



शहडोल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम में सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना अंतर्गत 35.56 लाख से अधिक पेंशन हितग्राहियों को ज213.41 करोड़ राशि का अंतरण सिंगल विलक के माध्यम से किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले के सामाजिक सुरक्षा पेंशन

योजना अंतर्गत 91 हजार पेंशनधारियों को लगभग 5 करोड़ रुपये की राशि अंतरित की। कलेक्टर कार्यालय के एनआईसी कक्ष से वर्चुअल रूप से मुख्य कार्यपालन जिला पंचायत शिवम प्रजापति, संयुक्त आयुक्त विकास मुद्रिका सिंह सहित हितग्राही उपस्थित रहे।

इंटरसेप्टर वाहन से की गई जांच, नियम तोड़ने वालों से वसूला 18,500 रुपये जुर्माना

शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

सड़क हादसों को रोकने के लिए यातायात पुलिस ने नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर इंटरसेप्टर वाहन के जरिए वाहनों की गति जांची गई। इस दौरान निर्धारित सीमा से



अधिक रफ्तार में वाहन चलाने वाले तीन चालकों पर कार्रवाई कर सात हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वाले छह लोगों और तीन सवारी बैठाकर चलने वाले चालकों को भी कार्रवाई के दायरे में लिया गया। अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन

ओवरस्पीडिंग पर यातायात पुलिस का शिकंजा, 17 वाहनों पर कार्रवाई



शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

बालाघाट में रविवार से शारदेय नवरात्र की शुरुआत हो गई है। जिले के हनुमान चौक स्थित दुर्गा मंदिर और गायत्री मंदिर समेत कई देवी मंदिरों में भक्तों ने मनोकामना कलश प्रज्वलित किए। यजमानों ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां दुर्गा की पूजा-अर्चना की। कलशों की ज्योति जलाई गई और आरती हुई। नगर के सभी दुर्गा मंदिरों में तेल और घी के कलश स्थापित हैं, जिनकी नौ दिनों तक विशेष पूजा होगी। नगर में 50 से ज्यादा जगहों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं विराजित की जाएंगी। दुर्गोत्सव समितियों के

लोग मूर्तिकारों से प्रतिमाएं लेकर निकले और विधि-विधान से स्थापित किया। प्रतिमा स्थापना का

क्रम देर रात तक चला। नवरात्र के नौ दिनों तक सार्वजनिक पंडालों, मंदिरों और घरों में मां दुर्गा की

उपासना की जाएगी। तृतीया से भक्तों की भीड़ उमड़ेगी, जिसके लिए पुलिस ने सुरक्षा और

यातायात का प्लान बनाया है। प्रतिमा स्थलों पर पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे।

जनहित में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण के नियमों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश

धार्मिक एवं सामाजिक आयोजनों में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग को लेकर कलेक्टर डॉ सोनवणे ने जारी किए निर्देश

 **बैतुल | संवाददाता**
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

आगामी धार्मिक एवं सामाजिक पर्वों को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के संबंध में जिला प्रशासन द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी डॉ. सौरभ संजय

सोनवणे ने जनहित एवं लोक व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 के अंतर्गत जिला बैतूल की संपूर्ण राजस्व सीमा में ध्वनि विस्तारक यंत्रों के उपयोग सहित विभिन्न व्यवस्थाओं के संबंध में आदेश जारी किया है। **अनुमति लेकर ही करें ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग** जारी आदेश के अनुसार जिले में आयोजित धार्मिक, सामाजिक एवं अन्य सार्वजनिक कार्यक्रमों में डीजे, लाउडस्पीकर, बॉड तथा अन्य ध्वनि विस्तारक यंत्रों का उपयोग सक्षम प्राधिकारी की अनुमति एवं लागू विधिक प्रावधानों के अनुसार

किया जाएगा। नगरीय क्षेत्रों में संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारी तथा ग्रामीण क्षेत्रों में संबंधित तहसीलदार/सक्षम कार्यपालक मजिस्ट्रेट लागू विधिक प्रावधानों के अधीन अनुमति प्रदान करने के लिए अधिकृत रहेंगे। अनुमति में आयोजक का नाम, पता, मोबाइल नंबर, कार्यक्रम का स्वरूप, आयोजन स्थल, दिनांक तथा कार्यक्रम के प्रारंभ एवं समाप्ति का समय सहित आवश्यक शर्तें स्पष्ट रूप से अंकित की जाएंगी। आयोजक से अनुमति की शर्तों के पालन के संबंध में लिखित आशवासन/वचन-पत्र भी लिया जाएगा।

चेतन चौरे ने हनुमानजी को चोला चढ़ाया

दशहरा चल समारोह में हनुमान स्वरूप धारण करेंगे, 63 साल से चली आ रही परंपरा

 **बालाघाट | संवाददाता**
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

बालाघाट में दशहरा चल समारोह की परंपरा के तहत, नवरात्र की प्रथमा पर साधक चेतन चौरे महाराज बने। वे अपनी सेना के साथ नए श्रीराम मंदिर से पुराने श्रीराम मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने हनुमानजी का सिंदूर से अभिषेक कर चोला चढ़ाया और स्वरूप धारण करने का आशीर्वाद मांगा। बालाघाट में दशहरे पर हनुमान जी का स्वरूप धारण करने की पुरानी परंपरा है। इस साल चेतन



चौरे को यह मौका मिला है। वे पूरे नवरात्र मंदिर में रहेंगे और दशहरे पर हनुमान का स्वरूप धारण कर भगवान श्रीराम की शोभायात्रा की अगुवाई करेंगे। महावीर सेवादल समिति के अमन गांधी के अनुसार, यह

आयोजन 63 सालों से हो रहा है। साधक की तपस्या 40 दिन पहले शुरू होती है, जिसमें दौड़ने का अभ्यास और नमक का परहेज भी। प्रथमा से चोला चढ़ाने के बाद साधक 10 दिन मंदिर में रहकर पाठ और पूजन करते हैं।

 **शहडोल | संवाददाता**
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

नवांकुर सखी प्रकृति-संस्कृति संरक्षण कार्यक्रम शक्ति संचय के अंतर्गत विकासखंड बुढ़ार में नवांकुर संस्था मातृशक्ति महिला मंडल द्वारा वृक्ष पूजन एवं कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नवांकुर सखियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए प्रकृति एवं भारतीय संस्कृति के संरक्षण का संदेश दिया। कलश यात्रा एवं वृक्ष पूजन के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण, वृक्षों के प्रति सम्मान तथा प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का भाव जागृत किया गया। इस अवसर पर



महिलाओं ने सामूहिक सहभागिता के साथ कार्यक्रम को उत्साहपूर्ण एवं गरिमामय स्वरूप प्रदान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रकृति संरक्षण के प्रति

जनजागरूकता बढ़ाना, भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहित करना तथा महिलाओं की सामूहिक शक्ति को सामाजिक एवं पर्यावरणीय कार्य

से जोड़ना रहा। कार्यक्रम के माध्यम से संदेश दिया गया कि प्रकृति का संरक्षण केवल हमारा दायित्व ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित एवं

सुखद भविष्य का आधार भी है। इस अवसर पर जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सिवनी में जीआई टैग वाले ‘जंबो सीताफल’ की अवैध चोरी और बिक्री

छपारा मंडी में वन विभाग की बड़ी कार्रवाई, दो व्यापारियों का माल जब्त

राष्ट्रबाण **सिवनी** | संवाददाता **राष्ट्रबाण** | rashtabaan.in

मध्य प्रदेश के सिवनी जिले में प्राकृतिक रूप से प्रचुर मात्रा में मिलने वाले और अपनी विशिष्ट पहचान के लिए प्रसिद्ध जीआई टैग प्राप्त ‘जंबो सीताफल’ की चोरी और अवैध व्यापार का मामला सामने आया है। वन क्षेत्रों में सीताफल के संग्रहण पर पूरी तरह से प्रतिबंध होने के बावजूद, बाजार में फल धड़ल्ले से बेचे जा रहे थे। इसी अवैध गतिविधि पर शिकंजा कसते हुए रविवार दोपहर वन विभाग की टीम ने छपारा की सीताफल मंडी में औचक दबिशा दी और कार्रवाई करते हुए दो व्यापारियों का माल जब्त कर लिया।

छपारा मंडी में वन विभाग की दबिशा

वन विभाग को लगातार यह शिकायत मिल रही थी कि प्रतिबंध के बावजूद जंगलों से कच्चे और पके सीताफल तोड़कर स्थानीय बाजारों में खपाए जा रहे हैं। पुख्ता सूचना के आधार पर, छपारा वन परिक्षेत्र अधिकारी स्वाति सिन्हा के नेतृत्व में वन विभाग के अमले ने तुरंत हरकत में आते हुए छपारा सीताफल मंडी में औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दो ऐसे व्यापारी मिले जो नियमों को



क्यों लगाया गया है वन क्षेत्रों में संग्रहण पर प्रतिबंध?

प्रशासन और वन विभाग के अनुसार, सिवनी के सीताफल को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिलाने के लिए इसे जीआई टैग प्रदान किया गया है और इसकी ब्रांडिंग ‘जंबो सीताफल’ के रूप में की जा रही है। जिले की इस खास पहचान और बाजार में उसकी प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह बेहद जरूरी है कि फलों को पूरी परिपक्वता (पकने के बाद) पर ही तोड़ा जाए।

गुणवत्ता पर असर

समय से पहले या कच्चे फल तोड़ लेने से उनके प्राकृतिक स्वाद, आकार और कुल गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

प्रतिष्ठा को नुकसान

यदि बाजार में कच्चे और कम गुणवत्ता वाले फल पहुंचेंगे, तो जिले के प्रसिद्ध ‘जंबो सीताफल’ की साख को नुकसान पहुंच सकता है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था और संरक्षण के बीच संतुलन जरूरी			
सिवनी के जंगलों में सीताफल प्राकृतिक रूप से बड़ी मात्रा में उगता है। जैसे ही सीताफल का सीजन शुरू होता है, ग्रामीण अंचलों और स्थानीय	व्यापारियों के लिए यह आय (आमदनी) का एक बड़ा और महत्वपूर्ण जरिया बन जाता है। वन विभाग और जिला प्रशासन का मानना	है कि रोजगार और आजीविका के इस साधन को बनाए रखने के साथ-साथ यह भी आवश्यक है कि संग्रहण संबंधी नियमों का कड़ाई से पालन हो। नियमों	के पालन से ही फलों की उच्च गुणवत्ता बरकरार रहेगी और सिवनी की विशिष्ट ब्रांडिंग व पहचान सुरक्षित रह सकेगी।

राष्ट्रबाण **सिवनी** | संवाददाता **राष्ट्रबाण** | rashtabaan.in

सिवनी जम्बो सीताफल : अपरिपक्व (कच्ची) अवस्था में तुड़ाई न करने की सख्त अपील

बाजार मूल्य पर बुरा असर पड़ता है। वर्तमान स्थिति और समस्याएं वर्तमान में यह देखा जा रहा है कि कुछ लोग कच्चे और अपरिपक्व सीताफल तोड़कर राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे बेच रहे हैं। इस प्रकार के कच्चे फल पकने के बजाय काले पड़कर सूख जाते हैं। इससे राहगीरों और उपभोक्ताओं को निराशा हाथ लगती है और बाजार में सिवनी के सीताफल की छवि खराब होती है, जिसका सीधा नुकसान स्थानीय किसानों को भुगतना पड़ता है।

विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देश व महत्वपूर्ण बातें

परिपक्वता की पहचान : सीताफल की तुड़ाई तभी की जानी चाहिए जब फल की दो कलिकाओं (आंखों) के बीच की दूरी बढ़ जाए और उसका रंग गहरे हरे से बदलकर हल्का पीला या सफेद होने लगे।
राजमार्गों पर बिक्री पर रोक : कच्चे और अपरिपक्व फलों को हाईवे के किनारे लाकर बेचने की प्रवृत्ति पर पूरी तरह रोक लगाई जाए, क्योंकि ये शाहकों का भरोसा तोड़ते हैं।

ब्रांडिंग और साख की रक्षा : 'सिवनी जम्बो सीताफल' को जीआई टैग मिला हुआ है, और इसकी उच्च गुणवत्ता बनाए रखना हर नागरिक और किसान की सामूहिक जिम्मेदारी है। उद्यानिकी विभाग ने सभी किसानों, स्थानीय विक्रेताओं और व्यापारियों से सहयोग की अपील की है, ताकि सिवनी के इस प्रसिद्ध फल की मिठास देश-विदेश के बाजारों में बनी रहे और किसानों को उनकी उपज का पूरा व सही दाम मिल सके।

ताक पर रखकर प्रतिबंधित क्षेत्र का सीताफल खरीद और बेच रहे थे।

विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका सीताफल जब्त कर लिया।

हालांकि, जब्त किए गए माल की कुल मात्रा और संबंधित व्यापारियों के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई का विस्तृत ब्योरा आना अभी बाकी है।

‘राष्ट्रबाण’ के तीखे तेवर से जागी सिवनी विधायक की नींद कागजों में 46 मासूमों की मौत का खौफनाक सच आया सामने

एक्शन में आए विधायक भेजा मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र!

राष्ट्रबाण **सिवनी** | संवाददाता **राष्ट्रबाण** | rashtabaan.in

भाजपा सरकार के खोखले दावों पर मातम का तमाचा



राष्ट्रबाण में प्रकाशित खबर।

जिला चिकित्सालय सिवनी में डॉक्टरों की घोर लापरवाही, वेंटिलेटर की कमी और व्यवस्थापकीय लाचारी के कारण एक ही हफ्ते में 5 मासूम नवजातों की मौत के सनसनीखेज मामले को जब प्रमुखता से प्रकाशित किया गया, तो सोए हुए प्रशासनिक तंत्र में हड़कंप मच गया। राष्ट्रबाण द्वारा निष्पक्षता और निजता के साथ उजागर की गई इस अमानवीय त्रासदी और परिजनों के चीत्कार का ऐसा तीखा असर हुआ कि स्थानीय विधायक दिनेश राय मुनमुन को आखिरकार खुद जिला अस्पताल की चौखट पर आकर औचक निरीक्षण करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

निरीक्षण के दौरान जो कड़वी हकीकत और खौफनाक आंकड़े सामने आए, उसने स्वास्थ्य महकमे के दावों की पूरी तरह से ध्वजियां



निरीक्षण में पहुंचे सिवनी विधायक दिनेश राय।

उड़ाकर रख दीं। विधायक दिनेश राय मुनमुन के द्वारा जब अस्पताल के शिशु विभाग की फाइलों और रजिस्ट्रों को खंगाला गया, तो पता चला कि बीते महज 3 महीनों के भीतर 46 मासूम शिशुओं की अकाल मौत हो चुकी है। इस दिल दहला देने वाले खुलासे ने अस्पताल प्रबंधन की निरंकुशता और स्वास्थ्य तंत्र के वेंटिलेटर पर होने की बात पर मुहर लगा दी है।

समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों के तीखे बाणों और जनता के आक्रोश को देखते हुए विधायक दिनेश राय मुनमुन ने डॉक्टरों की अनुपस्थिति, नवजातों की देखभाल में बरती जा रही गंभीर लापरवाही तथा अन्य अव्यवस्थाओं पर गहरा संज्ञान लिया है। उन्होंने तत्काल जिला कलेक्टर नेहा मीणा एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री को शिकायती पत्र भेजकर मामले की उच्चस्तरीय जांच

देश के आर्थिक विकास में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका

छिंदवाड़ा। देश के आर्थिक विकास में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। समाज के लोगों ने अपने पुरखों के द्वारा दिए गए सिध्दांतों और मार्ग पर चलकर अपना और देश का विकास किया है। यह बात सांसद बंटी विवेक साहू ने नरसिंगपुर रोड छिंदवाड़ा स्थित अग्रवाल पैलेस में अग्रवाल समाज द्वारा आयोजित श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव के दौरान कही। उन्होंने अग्रवाल समाज के लोगों को हर संभव सहयोग का आभ्यासन भी दिया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अग्रवाल मण्डल के अध्यक्ष सुरेश कुमार अग्रवाल, सचिव संदीप कैलाशचंद्र अग्रवाल, अग्रवाल युवा मण्डल के अध्यक्ष सिद्धांत फकीरचंद जंदल, सचिव संकेत श्रीनाथ अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

हृदय की बीमारी से जूझ रही मुस्कान को मिला उपचार आरबीएसके के माध्यम से निःशुल्क उपचार से स्वस्थ हुई मासूम मुस्कान

राष्ट्रबाण **सिवनी** | संवाददाता **राष्ट्रबाण** | rashtabaan.in

11 साल की मुस्कान यादव के लिए बचपन के दिन उतने सहज नहीं थे, जितने होने चाहिए थे। हृदय से जुड़ी समस्या के कारण उसकी सेहत को लेकर परिवार हमेशा चिंतित रहता था। बेटी के उपचार की जरूरत थी, लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति ऐसी नहीं थी कि महंगे इलाज का खर्च आसानी से उठ सके। इसी बीच राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के माध्यम से मुस्कान की बीमारी की पहचान हुई और उसके उपचार की राह आसान हुई।

गोपालगंज के सापापार निवासी मुस्कान की आरबीएसके के अंतर्गत स्वास्थ्य जांच की गई।



जांच में उसके हृदय से संबंधित समस्या की पहचान हुई। इसके बाद आवश्यक उपचार के लिए उसे जबलपुर स्थित बडेरिया मेट्रोप्राइम मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल भेजा गया। यहां चिकित्सकीय उपचार के बाद मुस्कान के स्वास्थ्य में सुधार हुआ और अब वह स्वस्थ है।

मुस्कान के स्वस्थ होने के साथ ही परिवार की सबसे बड़ी चिंता भी दूर हो गई। जिस बीमारी को लेकर

आर्थिक कठिनाइयों के कारण बेटी का उपचार कराना परिवार के लिए बड़ी चुनौती था। आरबीएसके के माध्यम से बीमारी की पहचान होने और उपचार की सुविधा मिलने से उनकी बेटी को स्वस्थ होने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि शासन की इस पहल ने उनके परिवार को बड़ी चिंता दूर कर दी।

आज मुस्कान के चेहरे पर लौटी मुस्कान इस बात की कहानी कहती है कि समय पर बीमारी की पहचान और उपचार किसी बच्चे का पूरा भविष्य बदल सकता है। आरबीएसके का उद्देश्य भी यही है कि स्वास्थ्य संबंधी समस्या के कारण किसी बच्चे के सपने न रुकें और प्रत्येक बच्चे को समय पर जांच, उपचार एवं बेहतर स्वास्थ्य का अवसर मिले।

बचाव के लिए कृषि विशेषज्ञों की सलाह

अरहर की फसल में पत्ती लपेटक कीट का प्रकोप

राष्ट्रबाण **सिवनी** | संवाददाता **राष्ट्रबाण** | rashtabaan.in

वर्तमान मौसम में अरहर की फसल में पत्ती लपेटक कीट (लीफ वेवर) का प्रकोप तेजी से देखा जा रहा है। यह कीट फसल को किस प्रकार नुकसान पहुंचाता है और इसके नियंत्रण के क्या उपाय हैं, इसकी पूरी जानकारी नीचे दी गई है।

कीट का प्रभाव और नुकसान

यह कीट पत्तियों को आपस में मोड़कर जाला बना लेता है और उसी जाले के अंदर छिपकर पत्तियों व कलियों को खाता है। इसके



कारण पौधों की सामान्य वृद्धि रुक जाती है और अंततः फसल के कुल उत्पादन में भारी कमी आ सकती है।

शुरुआती एवं जैविक

मिट्टी में अच्छी तरह दबा दें।

जैविक नियंत्रण के लिए नीम अर्क या नीम ऑयल 3000 पीपीएम की 2 से 3 मिलीलीटर मात्रा प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना फायदेमंद होता है। विशेष सावधानी: की हमेशा साफ मौसम में ही करें। मधुमक्खियों और अन्य परागणकारी कीटों को नुकसान से बचाने के लिए शाम के समय छिड़काव करना सबसे उचित माना गया है। जाले होने के कारण दवा अंदर तक पहुंचना कठिन होता है, इसलिए छिड़काव करते समय पौधों को अच्छी तरह भोगाना सुनिश्चित करें।

रासायनिक नियंत्रण

यदि कीट का प्रकोप अधिक हो, तो 200 लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति एकड़ की दर से इनमें से किसी एक अनुशंसित कीटनाशक का छिड़काव करें :

- एमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी : 80 से 100 ग्राम प्रति एकड़।
- वलेरॉन/ट्रानिलिप्रोल 18.5% एससी : 60 मिलीलीटर प्रति एकड़।
- फ्लुबेंडियामाइड 39.35% एससी : 40 मिलीलीटर प्रति एकड़।
- इंडोक्साकाब 15.8% ईसी : 135 मिलीलीटर प्रति एकड़।